केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची
Central Tasar Research & Training Institute, Ranchi

Success Story Record Pro-forma of Tasar Sericulture Farmers

Regional Sericultural Research Station, Baripada

क्र.सं.	विवरण	ब्योरा
1.	कृषक का नाम	परमेश्वर देहुरी
2.	आयु	55
3.	गांव का नाम	केन्दुधिपि
4.	राज्य	ओडिशा
5.	पालित फसल	
	द्वितीय	
	तृतीय	
6.	फसलों से प्राप्म आय :	800 रोमुच डाबा टीवी, 87.50 कोसे/रेमुच की दर से कुल 70,000 कोसे उत्पादित
	प्रथम:	
	द्वितीय:	
	तृतीय:	Rs 1,54,821.00
7.	केन्द्र का नाम :	सुकिन्दा टीआरसीएस
8.	तसर संवर्धन से पूर्व वे क्या करते थे?	कृषि
9.	उनके द्वारा आय का उपयोग कैसे किया गया ?	बेहतर जीवन के लिए
10.	लाभ अर्जित करने के लिए उनके द्वारा क्या अतिरिक्त प्रयास किए गए?	कुछ तकनीकियां यथा नायलन जाल के अंदर चाकी कीटपालन, जीवन सुधा, चूना एवं ब्लीचिंग पाउडर जैसे विसंक्रामकों का उपयोग किया।
11.	केन्द्र का क्या योगदान था?	प्रौद्योगिकी प्रसार,प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकियों पर जागरुकता सृजन, बुबीप्रवप्रके से रोमुच की व्यवस्था, शलभ परीक्षण
12.	क्या वे अन्य रेशमोत्पादन गतिविधियां यथा बीज उत्पादन, धागाकरण एवं कताई तथा धागा उत्पादन इत्यादि करने के इच्छुक हैं :	अपने परिवार के महिला सदस्यों के लिए धागाकरण गतिविधियां के अलावा बीज उत्पादन भी
13.	चित्र दीर्घा	
14.	कृषक का फोटो:	
15.	कृषक के प्रक्षेत्र का फोटो:	
16.	कृषक के घर का फोटो:	
17.	गांव का फोटो :	
18.	क्या रेशम उत्पादन को आय के मुख्य साधन के रूप में अपनाना	बुनियादी बीज के अच्छे स्रोत के अलावा यदि

	चाहते हैं:	पौधारोपण रख-रखाव हेतु सहयोग दिया जाता है तो वे बीज फसल कीटपालन भी कर सकते हैं फलस्वरूप स्वयं का बीज उत्पादन एवं बाद में वाणिज्यिक फसल भी बढ़ा सकते हैं।